अनुक्रमांक / Roll No.

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें ।
Candidate should write his/her Roll No. here.

कुल प्रश्नों की संख्या : **10**
Total No. of Questions : **10**

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : **8**
No. of Printed Pages : **8**

M-2016-V

सामान्य हिन्दी
GENERAL HINDI

पाँचवाँ प्रश्न-पत्र
Fifth Paper

समय : **3** घंटे]
Time : **3** Hours]

[पूर्णांक : **200**
[Total Marks : **200**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :
Instructions to the candidates :

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल **दस** प्रश्न हैं ।
   This Question Paper consists of **ten** questions.

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
   All questions are compulsory.

3. प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं ।
   Marks for each question have been indicated on the right hand margin.

4. प्रश्न क्रमांक 1 में कोई विकल्प नहीं है । शेष प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिया गया है ।

There is no internal choice in Question No. 1, remaining questions carry internal choice.

5. जहाँ शब्द सीमा दी गई है उसका पालन करें ।

Wherever word limit has been given it must be adhered to.

6. प्रश्न-पत्र के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें । एक प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से क्रमानुसार लिखें तथा उनके बीच अन्य प्रश्नों के उत्तर ना लिखें ।

Question should be answered exactly in the order in which they appear in the question paper. Answer to the various parts of the same question should be written together compulsorily and no answer of the other question should be inserted between them.

निर्देश : **सभी** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं ।

1. इन लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अधिकतम **50** शब्दों में (**एक** या **दो** पंक्तियों में) दीजिए । प्रत्येक प्रश्न **3 (तीन)** अंकों का है । $20 \times 3 = 60$

(i) पश्चिमी हिन्दी किस अपभ्रंश से उत्पन्न हुई है ?

(ii) मालवी बोली को किस 'बोली वर्ग' में स्थान दिया जाता है ?

(iii) देवनागरी लिपि का विकास किस लिपि से माना गया है ?

(iv) मध्यकाल में हिन्दी पर किस विदेशी भाषा का प्रभाव अधिक था ?

(v) राजभाषा अधिनियम किस वर्ष लागू हुआ था ?

(vi) शासकीय पत्र की तीन विशेषताएँ लिखिए ।

(vii) टिप्पण की अवधारणा स्पष्ट कीजिए ।

(viii) 'विलोम' और 'समानार्थी' शब्दों का अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

(ix) स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा के तात्पर्य और पार्थक्य पर प्रकाश डालिए ।

(x) 'पारिभाषिक शब्द' की तीन विशेषताएँ लिखिए ।

(xi) संधि और समास का अंतर स्पष्ट कीजिए ।

(xii) 'उद्धरण चिह्न' के रूपों को सोदाहरण लिखिए ।

(xiii) सन् 1992 ई. के बाद संविधान की अष्टम अनुसूची में कौन-कौन सी भाषाएँ जोड़ी गई हैं ?

(xiv) भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा विकसित दो सॉफ्टवेयर के नाम लिखिए ।

(xv) 'भाषा' और 'वाक्' में क्या अंतर है ?

(xvi) 'तद्भव' शब्द किसे कहते हैं ?

(xvii) हिन्दी भाषा में कौन सी दो प्रमुख विदेशी भाषाओं के शब्दों का आगमन हुआ है ?

(xviii) 'अर्थ' की दृष्टि से शब्दों के तीन रूप लिखिए ।

(xix) 'पल्लवन' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(xx) संक्षेपण की तीन विशेषताएँ लिखिए ।

2. निम्नलिखित गद्यावतरण का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 20

शिक्षा का मतलब यह नहीं है कि तुम्हारे दिमाग में ऐसी बहुत सी बातें इस तरह ठूँस दी जाएँ कि अन्तर्द्वन्द्व होने लगे और तुम्हारा दिमाग उन्हें जीवन भर न पचा सके । जिस शिक्षा से हम अपना जीवन निर्माण कर, मनुष्य बन सकें, चरित्र गठन कर सकें और विचारों का सामंजस्य कर सकें, वही वास्तव में शिक्षा कहलाने योग्य है । यदि तरह-तरह की जानकारियों का संग्रह करना ही शिक्षा है तब तो ये पुस्तकालय संसार में सर्वश्रेष्ठ मुनि हैं और विश्वकोश ऋषि । इसलिए हमारा आदर्श यह होना चाहिए कि अपने देश की समग्र आध्यात्मिक और लौकिक शिक्षा के प्रचार का भार अपने हाथों में ले लें और जहाँ तक संभव हो राष्ट्रनीति से राष्ट्रीय सिद्धांतों के आधार पर शिक्षा का विस्तार करें ।

अथवा

आज राष्ट्र में विभिन्न प्रकार की बुराइयाँ हैं । रिश्वतखोरी, भ्रष्टाचार और अनाचार का चारों ओर बोलबाला है । इस गंदी दलदल में सामान्य व्यक्ति ही नहीं, बल्कि बड़े से बड़े शासनाधिकारी तक फँसे हुए हैं । इन बुराइयों का अंत करना आवश्यक है । हम अपने विद्यार्थियों से निवेदन करना चाहते हैं कि यह काम विध्वंसात्मक कार्यों से नहीं बल्कि रचनात्मक योग्यताओं से ही पूरा हो पाएगा । जहाँ तक संभव हो सके, विद्यार्थियों को राजनीति के कुचक्र में फँसकर अपनी शिक्षा में बाधा नहीं डालनी चाहिए । विद्या और ज्ञान व्यक्ति की पूँजी हैं । उन्हें खोकर व्यक्ति ठोकरें खाने के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं पा सकता ।

3. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यावतरण का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 15

Many parameters are utilized to indicate how well people are fed, their overall nutritional status; the availability of good nutrition during various phases of their growth and lives; the average life expectancy; the infant mortality rate, the availability of drinking water and quality; the quantum of living space; broad categories of human habitat; the incidence of various diseases; dysfunctions, disorders or disabilities, the access to medical facilities, literacy, the availability of schools and educational facilities, various levels of skills to cope with fast changing economic and social demands and so on.

अथवा / OR

The simple meaning of discipline is to remain under control. This control may be of one's own conscience, reasoning, intellect, of one's own government or one's own society. Man is a social animal. There is no doubt that he has his own hands and feet and yet he is not self sufficient in himself. From birth to death, at every step he feels the necessity of taking social help. And side by side he has to move within certain social laws framed after a good deal of thinking and reasoning. This is very necessary. If it doesn't happen like this, no man can progress nor can be helpful in other's progress. Terrible anarchy follows lack of discipline in society. Instead of moving further, the nation gets retarded in its growth by many, many years.

4. निम्नलिखित गद्यांश का एक-तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए तथा रेखांकित पंक्तियों का भाव-पल्लवन अपने शब्दों में कीजिए । **10 + 5 = 15**

मनुष्य की प्रकृति में शील और सात्विकता का आदि संस्थापक यही मनोविकार है । मनुष्य की सज्जनता या दुर्जनता अन्य प्राणियों के साथ उसके संबंध या संसर्ग द्वारा ही व्यक्त होती है । यदि कोई मनुष्य जन्म से ही किसी निर्जन स्थान में अपना निर्वाह करे तो उसका कोई कर्म सज्जनता या दुर्जनता की कोटि में नहीं आएगा । उसके सब कर्म निर्लिप्त होंगे । संसार में प्रत्येक प्राणी के जीवन का उद्देश्य दुख की निवृत्ति और सुख की प्राप्ति है । अत: सबके उद्देश्य को एक साथ जोड़ने से संसार का उद्देश्य सुख की स्थापना और दुख का निराकरण हुआ; अत: जिन कर्मों से संसार के उस उद्देश्य के साधन हों, वे उत्तम हैं ।

अथवा

संसार के श्रेष्ठ मनीषियों ने घोषणा की है कि मनुष्य एक है और इसीलिए मूल मानव धर्म भी एक ही है । यह इस युग की आवश्यकता नहीं है, किन्तु युग का अनुभूत सत्य है । पहले भी दीर्घ दृष्टि वाले मनीषियों ने इस बात को अपने-अपने ढंग से कहा था, परन्तु आज यह सत्य अधिक व्यापक होकर अनुभूत हुआ है । इसलिए विभिन्न राष्ट्रीय इकाइयों में पाई जाने वाली संस्कृतियों में और धार्मिक सम्प्रदायों के विश्वासों में समन्वय करने की चर्चा चल पड़ी है । परन्तु समन्वय का अर्थ क्या है ? कुछ लोग धर्मों के नाम पर चलने वाले सभी ऊपरी आचारों को एक साथ जोड़ देने को समन्वय कहने लगे हैं ..... मुझे समन्वय की यह नीति ठीक नहीं जँचती । समन्वय में तद्गत धर्मों के उन मूल तत्त्वों पर ध्यान रखना आवश्यक है, जिनको केन्द्र करके इन बाह्य आचारों ने रूप ग्रहण किया है ।

5. प्रदेश के संस्कृति निदेशालय द्वारा किसी व्यक्ति के पत्र के उत्तर में लोक संस्कृति के उत्थान के लिए किए गए प्रयासों का विवरण देते हुए अर्ध-शासकीय पत्र का प्रारूप प्रस्तुत कीजिए । 15

अथवा

स्पष्ट कीजिए कि सरकारी कामकाज में प्रारूप का क्या महत्त्व है ? प्रारूप तैयार करते समय किन बातों का ध्यान अपेक्षित है ?

6. निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों में से किन्हीं **पाँच** के हिन्दी पारिभाषिक रूप लिखिए : 15

(i)	Secretariat	(ii)	Fixed Deposit
(iii)	Exchange	(iv)	Nomination
(v)	Credit	(vi)	Appointment
(vii)	Consumer	(viii)	Economy
(ix)	Legislator	(x)	Radiation

अथवा

निम्नलिखित हिन्दी शब्दों में से किन्हीं **पाँच** के अंग्रेजी पारिभाषिक शब्द लिखिए :

(i)	अभियोजन	(ii)	यादृच्छिक
(iii)	अनुक्रमणिका	(iv)	अनुदान
(v)	उपस्कर	(vi)	सेवा योजन
(vii)	निदेशालय	(viii)	प्रतिनिधि मंडल
(ix)	दशमलव	(x)	नौकरशाही

7. निम्नलिखित मुहावरों/कहावतों में से किन्हीं **पाँच** का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए : $5 \times 3 = 15$

(i) गिरगिट की तरह रंग बदलना
(ii) अंधे की लाठी
(iii) जीती मक्खी निगलना
(iv) छठी का दूध याद आना
(v) नाकों चने चबवाना
(vi) अंधे के हाथ बटेर
(vii) लोहे के चने चबाना
(viii) अधजल गगरी छलकत जाए
(ix) छछूँदर के सिर में चमेली का तेल
(x) तू डाल-डाल मैं पात-पात

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर दीजिए : $5 \times 3 = 15$

(i) 'सर्व + उदय' की संधि कीजिए ।

(ii) 'महोत्सव' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए ।

(iii) 'आजीवन' में कौन सा समास है ?

(iv) 'क्षुद्र' का समानार्थी शब्द लिखिए ।

(v) 'पवित्र' शब्द के तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

(vi) 'अर्वाचीन' का विलोम लिखिए ।

(vii) 'कुल' और 'कूल' के अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(viii) प्रश्नवाचक वाक्य के विराम-चिह्न को अंकित कीजिए ।

(ix) 'कपूत' शब्द का तत्सम शब्द लिखिए ।

(x) 'क्षेत्र' शब्द का तद्भव शब्द बताइए ।

9. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $5 \times 3 = 15$

मानव, सभ्यता से अपनी बाह्य उन्नति करता है और संस्कृति से आन्तरिक । सभ्यता वह चीज है, जो हमारे पास है किन्तु संस्कृति वह गुण है जो हममें छिपा हुआ है । हमारे पास भौतिक वस्तुएँ होती हैं । ये भौतिक वस्तुएँ हमारी सभ्यता के प्रमाण हैं, जबकि संस्कृति इतने स्थूल रूप में दिखाई नहीं देती, वह बहुत ही सूक्ष्म चीज है । वह हमारी प्रत्येक आदत और पसंद में निहित रहती है । मकान बनाना सभ्यता का काम है, लेकिन हम मकान का कौन सा नक्शा पसंद करते हैं, यह हमारी संस्कृति बतलाती है । मानव के भीतर छः विकार – काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह और मत्सर – प्रकृति प्रदत्त हैं । यदि ये विकार स्वतंत्र छोड़ दिए जाएँ तो मानव इतना गिर जाए कि उसमें और जानवर में कोई अन्तर न रह जाए, इसलिए मानव इन विकारों पर रोक लगाता है । इन विकारों पर जो मानव जितना अधिक काबू कर पाता है, उसकी संस्कृति उतनी ही ऊँची समझी जाती है । संस्कृति का मूल स्वभाव है कि वह आदान-प्रदान से बढ़ती है ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

(ii) मानव, सभ्यता से अपनी कौन सी उन्नति करता है ?

(iii) मानव के अंदर प्रकृति प्रदत्त कितने विकार हैं ?

(iv) मानव की मानवीयता किस बात में निहित है ?

(v) संस्कृति का मूल स्वभाव क्या है ?

अथवा

कला-जगत के क्षेत्र में नाटक अत्यंत प्राचीन काल से ही सर्वाधिक मनोरम और आकर्षण-कला का माध्यम माना जाता रहा है । नाटक के संदर्भ में सुकुमारता और कला-सूक्ष्मता का जो आयोजन होता है, वह आज भी उसे सर्वश्रेष्ठ कला बनाए रखने में सहायक सिद्ध हुआ है । नाटक का शिल्प-विधान और उसकी रचना की बारीकियाँ उसे एक अप्रतिम आकर्षण का विषय बना देती हैं । नाटक के परिप्रेक्ष्य में सबसे प्रमुख बात यह है कि इसका शिल्प एक सामूहिक विधान की तरह होता है । जिसमें नाटककार के साथ-साथ निर्देशक तथा विभिन्न अभिनेताओं का भरपूर सहयोग प्राप्त होता है । इसके साथ-साथ इसमें दर्शक समूह भी अपना महत्त्वपूर्ण सहयोग प्रदान करता है । एक प्रकार से कहा जाए तो नाटक की मंच-प्रस्तुति में इनकी भी अप्रत्यक्ष रूप से ही सही पर महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है । इन सबके समवेत प्रयास से ही नाटक की प्रस्तुति संभव है ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

(ii) कला-जगत के क्षेत्र में किस विधा को आकर्षक माना गया है ?

(iii) नाटक का शिल्प किस प्रकार का होता है ?

(iv) नाटक में दर्शक की भूमिका किस प्रकार होती है ?

(v) नाटक की प्रस्तुति किस प्रकार संभव है ?

10. किसी विश्वविद्यालय में सम्पन्न 'दीक्षांत समारोह' पर संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत कीजिए । **15**

अथवा

'सर्व-धर्म सम्मेलन' पर संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत कीजिए ।